



भारत का राजपत्र The Gazette of India

19.3.84

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 3] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 21, 1984/माघ 1, 1905
No. 3] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 21, 1984/MAGHA 1, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय
(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जुन रंज

आयकर अधिनियम, 1961 [1961 का 43] की धारा 269B [1] के

अर्धान अधिसूचनाएं
नानपुर, 16 जनवरी, 1984

निर्देश नं० एस-607/82 :—अन. सूजे, पी. एन. पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 11076 है तथा जो गहावनपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अर्जित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहावनपुर में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-1-83 को पूर्वांशित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अर्जित की गई है और उसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिकी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में आन्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अन. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री इन्दजीत सिंह सचदेव, सुपुत्र ब्रजेंद्र सिंह सचदेव, निवासी—
छन्दपुरी काठोनी, गहावनपुर (अन्तरक)
2. श्रीमती डा० रामनी मिश्रानी, पत्नी डा० मनीष कुमार मिश्रानी, अम्बाला रोड, गहावनपुर (अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्ति पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति या में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 2/1368/I दो मंजिल मिशन कम्पाउण्ड,
सहारनपुर।

तारीख: 16/1/84

संहर :

MINISTRY OF FINANCE

(Central Board of Direct Taxes)

Officer of the Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range

Notices under section 269-D(1) of the Income
Tax Act, 1961 (43 of 1961)

Kanpur, the 16th January, 1984

Ref. No. M-607/82.—Whereas I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 11076 situated at Saharanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 11-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. S/Shri Indtrejeet Singh Sachdeva, S/o Harbans Singh Sachdeva, R/o Inderpuri Colony, Saharanpur (Transferor).
2. Dr. Smt. Ragni Miglani, W/o Dr. Satish Kumar Miglani, Ambala Road, Saharanpur (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

H. No. 2/1368/I (Double Storeyed) Mission Compound, Saharanpur.

Dated : 16-1-84

Seal :

निवेदन नं० एम-1334/82-83:—अध. मं०, पी. एन. पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० में अधिक है और जिसकी नं० 2517 है तथा जो देहरादून में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप

से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रार-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-4-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मूल्य यह विवक्षित करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरणों) और अन्तरिणी (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से एक अन्तरण, निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के शायद्व में तमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या प्रत्येक आयों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पुष्पा कुमारी देवी, पत्नी स्व. मेजर जन. कामता प्रसाद, निवासी—8वीं, पडमा रोड, देहरादून।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रानी सरोज देवी, पत्नी राजा हरेन्द्र सिंह निवासी—15, बलबीर एवेन्यू, दालानवाला, देहरादून।

(अन्तरिणी)

3. श्रीमती सराज देवी, अन्तरिणी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन . 42 एकड़ बांके मोजा—धर्मपुर, महल कुवर तंग बहादुर सिंह, देहरादून।

तारीख : 16-1-81

मोहर :

Ref. M-1334/82-83.—Whereas I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 2517 as per Schedule situated as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 25-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee or the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shrimati Pushpa Kumari Devi, w/o Late Major Gen. Kanta Prasad, R/o 8/B, Laxmi Road, Dehradun.

.....Transferor

2. Shrimati Rani Saroj Devi, w/o Raja Harendra Singh, R/o 15, Balbir Avenue Dalanwala, Dehradun.

.....Transferee

3. Shrimati Saroj Devi, Transferee (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 42 acre at Mauja, Dharampur, Mahal Kr. Tegh Bahadur Singh, Dehradun.

Dated : 16-1-84

Seal :

निदेश नं० एम-1310/82-83:—अतः सुश्री, पी. एन. पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1789 है तथा जो मो० रामजीद्वारा, मथुरा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-4-83 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त, अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे घटने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी अन्त या अन्य आस्तियाँ की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुपराय में मे उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री वैद्य पुरुषोत्तम व्यास, पुत्र श्री श्रीजाल व्यास, निवासी—रामजी द्वारा, मथुरा

(अन्तरक)

2 श्री श्री नाथ, पुत्र श्री प्रीतम बाबू एवं अन्य लोग, निवासी—नगला—नायगा, मथुरा

(अन्तरिती)

3 श्री/श्री नाथ (अन्तरितः) (यह व्यक्ति, जिसमें उक्त अधिनियम में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के अन्त के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अन्त के मध्यम में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्पश्चात् वास्तविक तः सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किन्तु अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोहताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क से परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक तिसजला मकान क्षेत्रफल 110.50 वर्ग मी० पार्क मी० रामजी द्वारा, मथुरा।

तारीख : 16-1-84

महंश :

Ref. No. M-1310,82-83.—Whereas 1, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 1789 as per Schedule situated at Mathura as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 15-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Vaidya Purshottam Vyas, S/o Shri Brij Lal Vyas, R/o Ramji Dwara, Mathura.

.....Transferor

2. Shri Shri Nath, S/o Shri Pritam Chaube and others, R/o Nagla-Paysa, Mathura.

.....Transferee

3. S/Shri —do—

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

One third storeyed house measuring 110.50 sq. mtr. situated at Mohalla, Ramji Dwara, Mathura.

Dated : 16-1-84

निवेदन नं० एम-1315/82-83 :—अतः मुझे, पी. एन पांडव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 2 के पदार्थ 'अन्य अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अंतर्गत माला प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि माला माला, निवासी बाजार, मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी म० 10735 है तथा जो 116, राहमंज जमीन, गाजियाबाद में स्थित है (और इसमें डाटावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजपूताना अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन तारीख 27-1-83 को पूर्वोक्त माला के अधिनियम बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिक्ष को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त माला का अधिनियम बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पक्ष में प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में याम्यविक रूप से यथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाधित, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निताओं की निम्न भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखित में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पवन कुमार व नरेन्द्र कुमार, पुत्रगण—श्री वेद प्रकाश, निवासी राहमंज जमीन, गाजियाबाद गेज (मिरात)

(अन्तरक)

2. श्रीमती श्रीमती देवी, पत्नी श्री पवनगण सा एन नरेश शर्मा, निवासी—ग्राम—वेर नगर, मिर्जापुर, गाजियाबाद।

(अन्तरिणी)

3. श्रीमती अन्तरिणी (वह व्यक्ति, जिनके अधिनियम में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त माला के अधिनियम के लिए

कार्यवाहियों शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में गमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त व्यापार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्तावेजों के पास लिखित में लिग जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान नम्बरी 81 व 82 का जुड़ा भाग क्षेत्रफल 133 वर्गगज और 116, राईटगंज शर्की, गाज़ियाबाद में स्थित है।

तारीख : 16-1-84

मोहर :

Ref. No. M-1315/82-83.—Whereas I. P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per schedule situated at 116, Right Ganj Shark, as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 27-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax

Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Pawan Kumar & Narendra Kumar
S/o Sri Ved Prakash, R/o Right-
ganj Sharki, Ghaziabad (Rosan Giran).
..... (Transferor)

2. Shrimati Veena Devi, w/o Shri Ghan-
shyam Dass and others, R/o village.
Ner Nagar, Sihani, Ghaziabad.
..... (Transferee)

3. S/Shri —do—
..... (Persons in occupation
of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under-
signed :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

One shop No. 84 and 82 measuring 133 Sq. yds. at No. 116, Rightganj, Sharki, Ghaziabad.

Date : 16-1-84

निवेश नं० एम-1307/82—आतां मुझे पाठक, पाठक, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया) के धारा 269-ख के अर्जित मन्त्र प्राधिकारी का यह विवेचन करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० II-सी-5 है तथा जो नेहरूनगर में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाधिक के कार्यालय गाज़ियाबाद में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन तारीख 15-4-83 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में इस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास

कारण का कारण है कि वहापूँर्ण सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरक के बिना नष्ट पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरक निहित से सम्पत्ति, रूप से उचित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरक से हुई किराये आय का जबरन शायक अविनियम, 1961 (1961 का 43) के अधिनियम के अन्तर्गत कर देने के अन्तरक के दायित्व से कम करने या उससे घटने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसे किराये आय या किरीयों एवं या अन्य आस्तिगो को जितने मात्रा में आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, दिशानि में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम का धारा 269-ए के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम का धारा 269-ए को उपधारा (1) के अधिनियम-निम्नलिखित व्यक्ति को अर्थात् ---

1. श्री मोहिनंदर कुमार एवं अमर नाथ नि० के० एफ०-34
द्वितीय, गाज़ियाबाद (अन्तरक)

2. श्री भिमसेन एवं आत्मा राम नि० के० डी०-59
कविनगर, गाज़ियाबाद (अन्तरिक)

3. श्री भिमसेन (यह व्यक्ति, जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सम्बन्धित व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में सम्मान होती हो, के अन्तर्गत पूर्णतः व्यक्तियों में से किये व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अन्तर, उक्त स्वाक्षर सम्पत्ति में हितवद्ध किरीय अन्य व्यक्ति द्वारा अवैतनिकता के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

माहकाण्ड --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आवश्यक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-ए में परिभाषित है, वही अर्थ होना जो उन अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्गत

पत्रांक नं० II-म/5 देहली नगर, गाज़ियाबाद

तारीख--- 17.9.40 श्री मोहिनंदर

दिनांक 16-1-1984

मोहिनंदर

Ref. No. M-1307/82.—Whereas I, P. N. Pathak being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have

reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 15-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Mohinder Kumar S/o Amar Nath R/o K. F.--34, Kavi Nagar, Gaziabad. (Transferor)

2. Shri Bhimsen S/o Atma Aam R/o K. D--59, Kavi Nagar, Gaziabad. (Transferee)

3. Shri Bhimsen S/o Shri Atma Ram (Person in occupation of the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Plot No. II—C/5 Nehru Nagar, Gaziabad,
Area—479.40 sq. meter.

Date : 16-1-84

Seal :

निदेश सं० एम-1314/82 :—अनः भूमे पी० एन पाठक, आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को द्वारा 269B के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 10522 है तथा जो गाजियाबाद में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अर्जन तारीख 22-4-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त प्रतिक के लिए अनुरोध को रद्द है और भूमे यह विज्ञापन करने का कारण है कि पर्याप्त रूप से सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्टान्त प्रतिक में, ऐसे दृष्टान्त प्रतिक के पक्ष में प्रमाणित है अधिक है और अन्तरगत (अन्तरगतों) और अन्तरगत (अन्तरगतों) के बीच में अन्तरगत के लिए तब पाया गया प्रमाण सिम्बलिखित उद्देश्यों से एक अन्तरगत, निम्नलिखित में सम्मिलित रूप से वर्णित रही किया गया है :—

(क) अन्तरगत से हुई किसी अन्य का वास्तव आधार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अर्जन कर देने के अन्तरगत के दायित्व में बनी करने का उक्त करने में सविज्ञा के लिए और/या,

(ख) ऐसे किसी अन्य का किसी अन्य या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारत में अन्तरगत अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्तरगत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्तरगत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगकर्ता अन्तरगत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविज्ञा के लिए;

अनः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरगत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अर्जन, लिखित दायित्वों, अर्थात् :—

1. श्री गोमनाथ सुपुन श्री हरदेव निवास राम गहजाद, पुर जलानाबाद, गाजियाबाद, (अन्तरगत)
2. श्री फकीरा शर्मा सुपुन श्री गेर्जा शर्मा निवास गहजादपुर परगना जलानाबाद, जि० गाजियाबाद (अन्तरगत)
3. क्रेता के कर्तव्य में है । (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना ज० करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किन कार्यालयों शुरू करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से 45 दिन की अवधि या लम्बे-चौड़ी व्यक्तियों पर सूचना की नामोल्लेख से

30 दिन की अवधि का भी अवधि बताने में समर्थ हो, जो कि 30 दिनों के भीतर में से किन्हीं दिनों के द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित किसी अन्य बाजार द्वारा अर्जनकर्ता के पास निम्नलिखित में किन्हीं में से एक ।

सन्दर्भ :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अन्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), के अर्जन 200 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो इन अधिनियम में दिया गया है ।

अनुसूची

खेती की जमीन राम गहजादपुर

परगना जलानाबाद

जि० गाजियाबाद

ता० : 16-1-1984

मोहर :

Ref. No. M-1314/82.—Whereas I, P. N. Pathak being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 27-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the

issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Shobh Nath S/o Shri Hardeo,
R/o, Gram Shahzadpur, Pergana Jalalabad,
Distt. Ghaziabad.
... Transferor
2. Shri Faquira Sharma S/o Sri Ganeshi
Sharma, R/o Gram—Shahzadpur,
Pergana Jalalabad, Distt. Ghaziabad.
... Transferee
3. Shri As in 1 above.
... (Person in occupation
of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agricultural land at village—Shahzadpur,
Pergana Jalalabad, Distt. Ghaziabad.

Date : 16-1-84

Seal :

निवेदन नं० एम-1313/82—जहाँ मूजे, पी० एन० पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 41) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निष्पत्ति करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 10102 है तथा जो कश्मिगर, गाजियाबाद में स्थित है (और इस से उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) अधिभूतकता अधिकार के कार्यालय, गाजियाबाद में अधिभूतकता अधिनियम, 1998 (1998 का 16) के अधिन शारीख 16-4-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त प्रतिकूल के लिए अर्पित की गई है और नुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्टान्त प्रतिकूल से, ऐसे दृष्टान्त प्रतिकूल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नव पचास लाख प्रतिकूल विनिर्दिष्ट उद्देश्यों से गुप्त अन्तरण, निश्चित से वास्तविक रूप से कथित कहा किया गया है :—

(क) कश्मिगर की हकीमिती, आय और संपत्ति, उक्त अधिनियम, के अधिनियम के अधिनियम के अधिनियम में कथित करने या कथित करने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किया जाय या हिसाब का जो अन्तर, अन्तरियों के अधिनियम, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 17) या उक्त अधिनियम या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कथित में सुविधा के लिए।

अतः उक्त अधिनियम, की धारा 269B के अनुसूचन में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मदन गोपाल भाटिया, मुख्य और प्रकाश भाटिया, जे-8/128
राजेश भाटिया, नई दिल्ली।
.... (अन्तरक)

2. श्रीमती सुमित्रा देवी अरोड़ा पन्ना, योगिता अरोड़ा, पं-10/35
इकबाल गंज, लखनऊ (पंजाब)।
.... (अन्तरिता)

3. श्री मदन गोपाल भाटिया (वह व्यक्ति जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिनियम के लिए कार्य-वाहियों शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अधिनियम के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभूतकता अधिकारी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० के० जी०-45,

व्याक "जी" कश्मिगर, गाजियाबाद।

तारीख : 16-1-84

मोहर :

Ref. No. M-1313/82.—Whereas I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 10102 situated at Ghaziabad and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 16-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the Act to the following persons, namely :—

1. Shri Madan Gopal Bhatia, S/o Om Prakash Bhatia R/o J-8/128, Rajouri Garden, Delhi.
..... (Transferor)
2. Smt. Sumitra Devi Arora, W/o Som Nath Arora, R/o B-10/135, Iqbal Ganj, Ludhiana (Punjab).
..... (Transferee)
3. Shri As in 1. above.
..... (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter

XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. K-G/45, Block No. 'G', Kavi Nagar, Ghaziabad.

Date : 16-1-84

Seal :

सिद्धि नं० एम-1306/82 :—अन. मुने, पी० एन० पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्याद सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 9527 है तथा जो रामनगर, गाजियाबाद में स्थित है (और इसके उपानुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-4-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वम् सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल के पक्ष में प्रतिष्ठित है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरनितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त अन्तरण, निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रकारक क दायित्व में करने का उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों की जितने भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया या या किया जाता अन्तरण या अन्तरण में सुविधा के लिए ।

अन. अब उक्त अधिनियम की धारा 269अ के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथात् :—

- 1 श्रीमती यलका चौधरी, पत्नी सुजान मिश्र,
निवासी घरधरा, नं० और, जिला प्रसोवाह,
नं० 524-ए, रामनगर, गाजियाबाद । (अन्तरक)
- 2 श्रीमती नीलम कोश पत्नी नरेन्द्र मोहन
कोठी, नि० 524, रामनगर, गाजियाबाद
..... (अन्तरिनी)
- 3 श्रीमती/कुमारी केता के करने में है (वह व्यक्ति जिसके अधिसंग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से

20 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पादित होती हो, के अन्तर्गत पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

सन्दर्भकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 200 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्तुष्टी

संज्ञान नं० 524 का पश्चिमी भाग रामनगर, गाज़ियाबाद

तारीख 16-1-84

सिद्धांत :

Ref. No. M-1306/82.—Whereas I, P.N. Pathak being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 9527 as per Schedule situated at Ram Nagar, Ghaziabad as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 7-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section

269-D of the said Act to the following persons namely :—

1. Smt. Alka Chaudhry W/o Sri Gulzar Singh R/o Gharbara, Teh. Khair Distt. Aligarh. Transferor
2. Smt. Neelam Koda W/o Shri Narendra Mohan Koda R/o 524, Ram Nagar, Ghaziabad. Transferee
3. -do- (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

H. No. 524, Western Part Ram Nagar, Ghaziabad.

Dated : 16-1-84

Seal :

निवेदन नं० एम-824/82 :—यह अधीन पाठ्यक आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे शब्दों परन्तु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-B के अन्तर्गत प्रमाण प्रमाणिकों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसका नं० 15040 है तथा जो लक्ष्मपुर, आगरा में स्थित है (और अपने अन्तर्गत सन्तुष्टी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अनामिकों के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-4-83 को प्रत्यक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण परिलक्ष्य के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि तथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्टिकोण परिलक्ष्य में, ऐसे दृष्टिकोण उचित के पदों प्रमाणिकों के अधिक है और अन्तर्गत (अन्तर्गत) और अनामिकों (अनामिकों) के अन्तर्गत ऐसे अन्तर्गत के लिए नया पाया गया प्रमाणिक, निर्धारित उद्देश्य के अन्तर्गत, निर्दिष्ट में वास्तविक रूप में किया गया है।

(क) अन्तर्गत में हुई किसी और की आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के अधिक में सम्पत्ति करने का उद्देश्य करने में अन्तर्गत के अधिक और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य साधनों की जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था; स्थान में गृहिणा के लिए

अतः अथ उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कुंवर सूरज पाल सिंह
पुत्र श्री कुंवर प्रबल प्रताप सिंह, निवासी 23/282,
बजौर पुरा, आगरा..... (अन्तरिती)
2. श्री सत्यपाल सिंह, मन्त्रि
चेतना सहकारी आवास समिति लि०, आगरा..... (अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी सूरज पाल सिंह, आदि (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन खेत नं० 23/17 बाके मीजा, लशकारपुरा, आगरा

तारीख : 16-1-84

मोहर

Ref. No. M-824/82.—Whereas I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 15040, as per schedule situated at Lashkarpur, Agra as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 4-4-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Kunwar Surajpal Singh S/o Kanwar Prabal Pratap Singh R/o 23 282, Wazirpura, Agra
..... Transferee
2. Shri Satya Pal Singh, Secretary M/s. Chetna Sahkari Avas Samiti Ltd., Agra.
..... (Transferor)
3. As in (1) above (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agricultural Land No. 23/17 A Village Lashkarpur, Distt. Agra.

Dated : 16-1-1984.

Seal

निदेश नं० के०-168/के एन पी/83-84 :—अतः सूखे पी० एन० पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी का यह विषयवाक्य करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिकतम और शिपकी नं० 6189 है तथा जो कानपुर (पनकी) में स्थित है (और इनमें उक्त सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-4-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित को गई है और सूखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिनी (अन्तरनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मसर्स आलोक सर्जिकल एण्ड प्रसाईड प्रोडक्ट्स, 32/131, मनीराम बगिया, कानपुर। (अन्तरक)
2. मैसर्स मोती सर्जिकल उद्योग, 26/109-बी, बीरहोना रोड, कानपुर। (अन्तरिनी)
3. मैसर्स आलोक सर्जिकल उद्योग 32/131, मनीराम बगिया, कानपुर। (वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जित के लिए कार्रवाहियाँ शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्जितनाशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इस से प्रसूक्त सूक्ष्म और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची :—

प्लॉट नं० बी-28, पनकी इन्स्ट्रुमेंटल एरिया, सार्देय नं० 1, कानपुर।

तारीख : 15-1-1983

साहू

Ref. No. K-168/KNP/83-84.—Whereas I, P.N. Pathak being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 6189 situated at Kanpur (Panaki) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 5-4-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. M/s. Alok Surgical and Allied Products, 32/131, Bagia Mani Ram, Kanpur.

(Transferor)

2. M/s. Moti Surgical Udyog P. Ltd. 26.109 B, Birhona Road, Kanpur.

(Transferee)

3. As in (1) above

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. G-28 Panki Industrial Area. Site No. J, Kanpur.

Dated : 16-1-84

Seal

कानपुर, 12 जनवरी, 1984

निर्देश नं० एम/1303/82 :—अन. मुझे पी० एन० पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उल्लिख बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 9466 है तथा जो गाझियाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच. में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाझियाबाद में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-4-83 का पूर्वाधिक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विज्ञापन करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रमाण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब प्रयास किया जाय, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसूचन में से उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गुष्पायकी बहल, पत्नी श्री प्रेम लाल बहल, निवासी ए-62, ए फौजम काजोनी, नया दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री एडम कन्सल्टेंट्स लि०, 37-बैंगी निक्कतन माउन्ट रोड, चर्च रोड, बान्द्रा, बम्बई (अन्तरिती)

3. अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है।)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वाधिक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख या 15 दिन की अवधि, या सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बार में समाप्त होती है के भीतर पूर्वाधिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अज्ञातस्वाक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

आक्षेपक :—किसी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 20 बीघा पुराना, स्थिति आना नं० 656 आय-कसना, परगना-डमना, बलसोथ व जिला-गाजियाबाद।

तारीख : 12-1-84

माहेंद

Kanpur, the 12th January. 1984

Ref. No. M|1305|82.—Whereas, I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 9466 situated at Ghaziabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 7-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and, or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the

purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Smt. Pushpa Wati Bahal W/o Shri Prem Nath Bahal, R/o. A-62, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

2. M/s. Tondon Consultancy Ltd, 37-Merry Niketan, Mount Merry Church Road Bandra, Bombay.

(Transferee)

3. M's. -do-

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agricultural Land 20 Bighas Pukhta situated in Khata No. 656, of village Dasna, Pargna Dasna, Tehsil & Distt. Ghaziabad.

Dated : 12-1-84

Seal :

कानपुर, 13 जनवरी, 1984

निर्देश सं० एस 1309/82 :—अतः मुझे पी०एन० पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन मजस प्राधिकारी को यह लिखित करने का कारण है कि न्यायकर सम्पत्ति जिगका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1815 है तथा जो मथुरा, उम्पीयर नगर में स्थित है (आर इससे उगाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रथम तारीख 10-4-83 की पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

अधिकृत के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सहायकता सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान बाजार मूल्य से कम दृश्यमान अधिकृत के अन्तर्गत में वर्णित है और सम्पत्ति (अन्तर्गत) और सम्पत्ति (अन्तर्गत) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए का पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्यों से प्राप्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत दायित्व में कमी करने या उसमें कमी में सुविधा के लिए आर या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी अन्त या अन्य सम्पत्तियों की जितने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) या अन्तरण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रदोषनाय सम्पत्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, लिखित में सुविधा के लिए

अन्त अन्त अधिनियम की धारा 269ख के अनुगुण से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ख की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :—

- 1 स्वामी खेम चन्द मण्डल मन्त्री लाल गन्वर पुरा बुन्देलख (अन्तरक)
- 2 श्री बन्धु भान गरी मण्डल रमन लाल किराची शर्मा मन्त्री रामगन्धी रामपाल मथुरा (अन्तर्गत)
- 3 श्री/श्रीमति/कुमारी अन्तर्गति (वह व्यक्ति, जिसके अधिशेष में सम्पत्ति है)

तो वह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त पक्षों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सतत-सम्पत्ति नगर 1950-मथुरा

ता. 13-1-84

मोहर

Kanpur, the 13th January, 1984

Ref. No. M-1309/82.—Whereas I, P. N. Pathak being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 1815 situated at Mathura (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 10-4-83 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. S/Shri Swami Khem Chand S/o Munni Lal, Patharpura, Mathura.
(Transferor)
2. S/Shri Chandra Bhan Garg S/o Raman Lal Karachi wale, Mandi Ram Gali Ram Pal, Mathura.
(Transferee)
3. S/Shri —do—
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the services of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1950, Dapiar Nagar, Mathura.

Date 13-1-84

Seal:

निर्देश सं० एम-1379/82-83 :—अन मुझे पी०एन० पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन गणम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 104 है तथा जो देहरादून में स्थित है (और हमारे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-4-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि क्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरिभियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, लिखित उद्देश्यों से मुक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में नमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उप धारा (1) के अधीन, निम्न-लिखित व्यक्तियों; अर्थात् :—

1. श्री वीरेन्द्र कुमार अरोड़ा सुपुत्र भानामल अरोड़ा, 59-सी राजपुर रोड, देहरादून (अन्तरक)
2. डा० अणोक कुमार गुप्ता सुपुत्र निरमल लाल, 28-राजा रोड, देहरादून (अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आगे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रायोग :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समदन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयुक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संकाय नं० 28, राजारोड, देहरादून।

प. नं० पाठक,

सक्षम प्राधिकारी,

(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण),

(अर्जेन रेंज), कानपुर

तारीख 13-1-84

संहर :

Ref. No. H-1379/82-83.—Whereas I, P.N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 104, situated at Dehradun. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 30-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for

the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Virendra Kumar Arora, C/o. Bhana Mal Arora 59-C Rajpur Road, Dehradun.

(Transferor)

2. Dr. Ashok Kumar Gupta, S/o Nand Lal, R/o. 28 Raja Road, Dehradun.

(Transferee)

3. Shri -do- (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

H. No. 28, Raja Road, Dehradun.

P. N. PATHAK,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax Acquisition Range,
Kanpur

Date 13-1-84
Seal

